माता भगवती देवी राजकीय महिला महाविद्यालय आँवलखेड़ा, आगरा

परास्नातक पाठ्यक्रम (विषय- हिंदी)

General Programme / Course Outcome

- छात्रों को भारतीय ज्ञान परम्परा के अंतर्गत हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन , काल विभाजन , नामकरण की समस्या, इतिहास लेखन की पद्धतियां आदि का ज्ञान प्राप्त होगा ।
- छात्र हिंदी भाषा के उद्भव एवं विकाश , भाषा के विविध स्वरूपों, उपभषाओं , बोलियों आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेगा ।
- विद्यार्थी लिपि के उद्भव एवं विकाश , देवनागरी लिपि के स्वरुप आदि से परचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थियों को आदिकालीन ,भक्तिकालीन , रीतिकालीन तथा आधुनिक कालीन हिन्दी काव्य लेखन एवम काव्यगत प्रवित्तियों का ज्ञानार्जन कर सकेंगे ।
- छात्र भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेगा।
- छात्र शोध परियोजना के अंतर्गत शोध प्रक्रिया का ज्ञान अर्जित कर सकेगा ।
- विद्यार्थी हिंदी नाटक ,एकांकी , आलोचना ,कथा साहित्य , हिंदी उपन्यासों , आदि का भी ज्ञानार्जन कर सकेगा ।
- छात्र पत्रकारिता ,एवम हिंदी भाषिक प्रयोजन और कम्प्यूटर आदि का भी ज्ञान प्राप्त कर सकेगा
- छात्र स्त्री विमर्श, दलित विमर्श , आदिवासी विमर्श आदि सामाजिक विमर्शों का विधिवत ज्ञान प्राप्त कर सकेगा।
- विद्यार्थी परास्नातक स्तर के हिंदी विषय से संबंधित प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु तैयार हो सकेगा ।
- विद्यार्थी पत्रकारिता के अध्ययन द्वारा पत्रकारिता के भिन्न भिन्न क्षेत्रों में नौकरी / रोजगार प्राप्त कर सकेगा ।
- विद्यार्थी शोध के माध्यम से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान दे सकेगा ।
- छात्र नाटक आदि के अभिनय में रुचि लेकर बतौर थियटर कलाकार या फ़िल्म जगत में अपना कैरियर बना सकेगा

Programme Specific Outcomes

एम. ए.हिंदी ,सप्तम सत्र : प्रश्नपत्र **-1**

(हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास)

- इस प्रश्नपत्र के अध्ययन द्वारा विद्यार्थी यह ज्ञान अर्जित कर सकेगा कि हिंदी भाषा का उदभव एवं विकास का कैसे हुआ ।
- हिंदी भाषा के विविध रूप जैसे व्यक्ति बोली ,उपबोली ,मातृ भाषा, संपर्क भाषा, राज भाषा, राष्ट्र भाषा, अंतरराष्ट्रीय भषा के रूप में हिंदी की दशा एवं दिशा के बारे छात्र ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।
- छात्र हिंदी बोलियों के विभिन्न प्रकारों ,भौगोलिक सीमाओं ,बोली क्षेत्रों, तथा हिदी की प्रमुख बोलियों यथा खड़ी बोली ,ब्रज ,अवधी आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- छात्र देवनागरी लिपि की बैज्ञानिकता , विशेषता , के साथ साथ देवनागरी के दोषों के सुधार हेतु किये गए विभिन्न प्रयासों का भी ज्ञानर्जन कर सकेंगे।
- छात्र हिंदी की संवैधानिक स्थिति , हिंदी भाषा के विकास की विभिन्न चुनौतियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

एम. ए हिंदी ,सप्तम सत्र: प्रश्नपत्र**- 2**

(हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल से रीतिकाल)

- इस प्रश्नपत्र के अन्तर्गत छात्र हिंदी साहित्य इतिहास दर्शन और इतिहास लेखन की परंपरा एवं इतिहास लेखन की समस्या आदि का अध्ययन कर सकेगा।
- छात्र समूचे हिंदी साहित्य के इतिहास का कलविभाजन एवं नामकरण आदि का अध्ययन करेगा ।
- छात्र आदिकालीन ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ,सिद्ध, नाथ ,जैन , रासो एवं लौकिक साहित्य आदि के बारे में ज्ञानार्जन कर सकेगा।
- छात्र भक्ति आंदोलन के उत्पति के कारणों तथा भक्ति के विभिन्न वैचारिक एवं दार्शनिक सिद्धान्तों का अवलोकन कर सकेंगे।
- छात्र भक्तिकाल के विभिन्न धाराओं यथा , निर्गुण एवं सगुण साहित्य के अंतर्गत कबीर, दादू , रैदास , जायसी तथा सूरदास,तुलसीदास जैसे कवियों के प्रमुख काव्य रूपों से अवगत हो सकेंगे।
- छात्र रीतिकाल की ऐतिहासिक परिदृश्य, कलविभाजन एवं नामकरण तथा वर्गीकरण के साथ साथ रीतिकाव्य की प्रमुख प्रवित्तियों आदि का भी अध्ययन कर सकेंगे ल
- छात्र रीतिकाल के प्रतिनिधि कवियों यथा केशव ,देव ,विहारी , चिंतामणि, सेनापति पद्माकर, घनानंद आदि कवियों के काव्यों से परिचित हो सकेंगे।

एम .ए. हिंदी ,सप्तम सत्र:प्रश्नपत्र - 3

(आदिकालीन एवं निर्गुण भक्ति काव्य)

- छात्र इस अनिवार्य प्रश्नपत्र के अन्तर्गत आदिकालीन रचनाकार चंदबरदाई द्वारा रचित पृथ्विराज रासो में पद्मावती समय का अध्ययन कर सकेंगे।
- छात्र आदिकाल के श्रृंगारी कवि विद्यापति की प्रसिद्ध रचना पदावली के पदों का ज्ञानार्जन कर सकेंगे।
- छात्र भक्तिकालीन निर्गुण कवि कबीर की रचनाओं साखी, सबद ,रमैनी आदि का अध्ययन कर कबीर के काव्य एवं समजदर्शन से अवगत हो सकेंगे।
- विद्यार्थी भक्तिकालीन निर्गुण धारा के अन्तर्गत सूफी काव्य परंपरा के प्रतिनिधि कवि जायसी के पद्मावत से नागमती वियोग खंड का अध्ययन कर सकेंगे।
- छात्र जायसी के सूफी दर्शन तथा जायसी के वियोग वर्णन जो हिन्दी साहित्य में में अद्वितीय रत्न का अध्ययन कर सकेंगे।

एम. ए. हिंदी ,सप्तम सत्र: ,प्रश्नपत्र- 4

(सगुण भक्ति एवं रीतिकालीन काव्यधारा)

- विद्यार्थी इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत भक्तिकालीन सगुण शाखा के कृष्णभक्तिधारा के प्रतिनिधि कवि सूरदास द्वारा रचित भ्रमरगीत के पदों का ज्ञानर्जन कर सकेंगे तथा सूर की भक्तिभावना, सूर के वात्सल्य वर्णन ,संयोग एवम वियोग जन्य स्थितियों आदि का अध्ययन कर सकेंगे।
- छात्र रामभक्ति धारा के प्रतिनिधि कवि तुलसीदास के प्रमुख ग्रंथ रामचरितमानस के उत्तरकांड का अध्ययन कर सकेंगे।
- छात्र तुलसीदास द्वारा रचित विनयपत्रिका के पदों का अध्ययन कर सकेंगे।
- छात्र रीतिकालीन प्रतिनिनधि कवि बिहारी की रचना सतसई के भक्ति ,नीति ,एवं श्रृंगारपरक दोहों का ज्ञानार्जन कर सकेंगे।
- छात्र रीतिकाल के रीतिमुक्त काव्यधारा के प्रसिद्ध कवि घनानंद के पदों का अध्ययन कर सकेंगे ।

एम.ए. हिंदी, सप्तम सत्र: माइनर छात्रों हेतु माइनर -01

(कम्प्यूटर: हिंदी भाषिक प्रयोजन)& माइनर -02 हिंदी पत्रकारिता

- यह प्रश्नपत्र एम .ए. के अन्य विषय के छात्रों द्वारा माइनर प्रश्नपत्र के रूप में चयन किया जाएगा ।
- छात्र कम्प्यूटर हिंदी भाषिक प्रयोजन के अंतर्गत कम्प्यूटर की संरचना ,ऑपरेटिंग सिस्टम, एम एस ऑफिस, पावर प्वाइंट, वर्ड एक्सल, आदि की जानकारी प्राप्त कर सकेगा।
- छात्र हिंदी टंकण के माध्यम से यूनिकोड , कृतिदेव ,आदि फॉन्ट की टाइपिंग सीख सकेगा तथा फॉन्ट परिवर्तन की प्रक्रिया से लाभान्वित होगा।

- विद्यार्थी हिंदी भाषा के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ब्लॉग लेखन, पॉडकास्ट, you tube चैनल आदि को संचालित करने की प्रक्रिया का भी ज्ञान प्राप्त कर सकेगा।
- विद्यार्थी हिंदी पत्रकारिता के इतिहास के उद्भव एवं विकास ,तथा आजादी की लड़ाई में पत्रकारिता के योगदान का अध्ययन कर सकेंगे।
- विद्यार्थी हिंदी पत्रकारिता के विभिन्न माध्यमों - प्रिंट मीडिया में हिंदी की भूमिका, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में हिंदी का स्थान, तथा समाचार लेखन के कौशल से अवगत हो सकेंगे।
- विद्यार्थी हिंदी के प्रमुख समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं से परिचित हो सकेंगे।
- छात्र भारतीय प्रेस परिषद, कानून, प्रेस से संबंधित मौलिक अधिकार, के साथ साथ मीडिया और समाज तथा पत्रकारिता की वर्तमान चुनौतियों के विषय मे अवगत हो सकेंगे।

एम. ए. हिंदी, अष्टम सत्र, प्रश्नपत्र- 05

(हिंदी साहित्य का इतिहास -2 आधुनिक काल)

- छात्र हिंदी गद्य के उद्भव एवं विकास से अवगत हो सकेंगे।
- विद्यार्थी भारतेन्दु युगीन संस्कृतिक पुनर्जागरण, नवजागरण और 1857 की क्रांति तथा भारतेन्दु मण्डल के कवियों का राष्ट्रीय आंदोलन में योगदान आदि के विषय मे जान सकेंगे।
- विद्यार्थी द्विवेदी युगीन राष्ट्रीय काव्यधारा के कवियों की कविताओं का अध्ययन कर सकेंगे। साथ ही अपने भीतर राष्ट्रीय चेतना का विकास कर सकेंगे।
- छायावाद की परिभाषा , प्रमुख विषताए, तथा प्रसाद ,निराला, पंत ,महादेवी वर्मा आदि की कविताओं से परिचित हो सकेंगे ।
- प्रगतिवाद की प्रमुख प्रवृत्तियों का अध्ययन तथा प्रयोगवाद की प्रयोगशीलता और कलापरकता का भी ज्ञानर्जन कर सकेंगे।
- नई कविता, अकविता ,समकालीन एवं नवगीत काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों के साथ साथ प्रमुख कवियों के काव्य लेखन से छात्र अपना ज्ञानर्जन कर सकेंगे।
- हिंदी गद्य विधाओं के अंतर्गत छात्र हिंदी उपन्यास ,हिंदी कहानी ,हिंदी नाटक ,हिंदी आलोचना ,हिंदी निबंध ,हिंदी नाटक जैसी गद्य विधाओं के उद्भव एवं विकास तथा प्रमुख लेखकों की कृतियों का अध्ययन कर सकेंगे।
- छात्र हिंदी गद्य की छोटी विधाओं के अंतर्गत यात्रा साहित्य ,संस्मरण, रिपोतार्ज तथा डायरी आदि का सम्यक अध्ययन कर सकेंगे।

एम. ए. हिंदी, अष्टम सत्र ,प्रश्नपत्र-06

(भारतीय काव्यशास्त्र)

- विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्रीय परम्परा के अन्तर्गत रस सिद्धन्त, रस के स्वरूप ,साधारणीकरण और रस निष्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्तों का अध्ययन कर सकेंगे।
- छात्र अलंकार की परिभासा ,अलंकार के प्रमुख भेद व सिद्धान्त आदि से अवगत हो पायेंगे।
- छात्र रीति सिद्धान्त तथा गुण एवं दोषों आदि का ज्ञानार्जन कर सकेंगे ।
- छात्र ध्वनि एवं वक्रोक्ति सिद्धान्तों की अवधारणाओं और स्थापनाओं से अवगत हो सकेंगे ।
- छात्र औचित्य सिद्धान्त की अवधरणा तथा औचित्य के प्रमुख सिद्धान्तों का अध्ययन कर सकेंगे।
- छात्र हिंदी आलोचना की विकास यात्रा का अध्ययन करने के साथ साथ हिंदी के गणमान्य आलोचक यथा - रामचंद्र शुक्ल ,हजारीप्रसाद द्विवेदी ,नागेंद्र ,रामविलास शर्मा, नन्ददुलारे वाजपेयी, रमेश चंद्र शाह आदि के आलोचना सिद्धान्त और आलोचना दृष्टिकोणों से परिचित हो सकेंगे।

एम. ए.हिंदी ,अष्टम सत्र, प्रश्नपत्र -07

(पाश्चात्य काव्यशास्त्र)

- विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र के उद्भव एवं विकास की प्रक्रिया को जान सकेंगे।
- विद्यार्थी आदर्शवादी विचारक प्लेटो के अनुकरण सिद्धान्त, काव्य सिद्धान्तों से अवगत हो सकेंगे।
- छात्र लोंजाइनस के उदात्त सिद्धान्त की अवधारणा व स्वरूप से अवगत हो सकेंगे।
- विद्यार्थी क्रोंचे के अभिव्यंजना सिद्धान्त का ज्ञानर्जन कर सकेंगे।

- छात्र नई समीक्षा के समीक्षक एलियट के समीक्षा सिद्धान्तों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- छात्र मैथ्यू अर्नाल्ड की आलोचना दृष्टि का अध्ययन कर सकेंगे।
- विद्यार्थी आभिजात्य वाद , अस्तित्व वाद, मनोविश्लेषण वाद जैसे नवीन सिद्धान्तों का ज्ञानर्जन कर सकेंगे।

एम. ए. हिंदी ,अष्टम सत्र ,प्रश्नपत्र **08**

(आधुनिक काव्य **-01**छायावादपर्यन्त **)**

- छात्र छायावाद के अंतर्गत जयशंकर प्रसाद के कामायनी के लज्जा व श्रद्धा सर्ग का ज्ञानार्जन कर सकेंगे
- छात्र निराला की कविता राम की शक्तिपूजा, जूही की कली जैसी कविता का अध्ययन कर निराला के काव्य दर्शन से परिचित हो सकेंगे।
- छात्र पंत की प्रगतिवादी मूल्यों पर आधारित परिवर्तन कविता का अध्ययन कर सकेंगे।
- छात्र महादेवी वर्मा की राहष्यमूलक एवं प्रणय मूलक कविताओं से परिचित हो सकेंगे।
- छात्र राष्ट्रीय कवि मैथिलीशरण गुप्त की प्रसिद्ध कृति साकेत का गहन अध्ययन कर सकेंगे।

(एम .ए. हिंदी **,** अष्टम सत्र **,** शोध परियोजना **)**

- छात्र शोध प्रक्रिया के अंतर्गत ,शोध अर्थ परिभाषा व स्वरुप आदि का अध्ययन कर सकेंगे।
- छात्र शोध सामाग्री चयन पद्धति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।
- छात्र आँकड़ा संकलन से लेकर डाटा विश्लेषण की प्रक्रिया का अध्ययन कर सकेंगे
- छात्र शोध लेखन के प्रकारों ,प्रक्रियाओं, आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे
- छात्र शोध विषय के चयन से लेकर अध्यायीकरण और निष्कर्ष लेखन की विशिष्टता का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे
- छात्र एक शोधार्थी के रूप में अपना विकास कर सकेंगे।

एम.ए. हिंदी**,** नवम सत्र **,** प्रश्नपत्र **09**

(विकल्प **1-** हिंदी नाटक व विकल्प **2 -** हिंदी एकांकी **)**

- छात्र नाटक की परिभाषा स्वरूप व तत्व आदि का अध्ययन कर सकेंगे।
- छात्र हिंदी नाटक की विकास यात्रा का विभाजन प्रवृत्तिमूलक विश्लेषण कर सकेंगे।
- छात्र हिंदी प्रमुख नाटककारों के नाट्य का अध्ययन कर सकेंगे।
- छात्र आधुनिकता के नाटककार मोहन राकेश के प्रसिद्ध नाटक आधे अधूरे का अभिनय ,मंचन व समीक्षा कर सकेंगे।
- छात्र सर्वेश्वर के प्रतीकवादी नाटक बकरी का अभिनय मंचन व समीक्षा कर सकेंगे।
- छात्र हिंदी एकांकी की परिभाषा, अर्थ व स्वरूप आदि का अध्य्यन कर सकेंगे।
- छात्र रामकुमार वर्मा की एकांकी औरंगज़ेब की आखिरी रात, अश्क की सूखी डाली , विष्णु प्रभाकर की सीमा रेखा ,हरिकृष्ण प्रेमी की वाणी मंदिर जैसी चर्चित एकांकियों का अध्ययन ,मंचन व अभिनय कर सकेंगे।

एम. हिंदी**,** नवम सत्र ,प्रश्नपत्र **10**

(आधुनिक काव्य **2 -** छायावादोत्तर काव्य**-**

प्रगतिवाद **,**प्रयोगवाद **,**नई कविता**)**

- छात्र राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना ,हालावाद , प्रगति और प्रयोग वाद नई कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों का अध्ययन कर सकेंगे।
- छात्र दिनकर की रश्मिरथी , नागार्जुन की कालिदास , मुक्तिबोध की ब्रम्हराक्षस, भवानीप्रसाद मिश्र की गीत फरोश जैसी प्रगतिशील कविताओं का ज्ञानार्जन कर सकेंगे।
- छात्र धूमिल के काव्य अकाल दर्शन ,अज्ञेय की आसाध्य वीणा, दुष्यंत कुमार की गजलों के अध्ययन द्वारा समकालीन कविता के स्वरूपादि से परिचित हो पाएंगे।

एम. ए. हिंदी नवम सत्र प्रश्नपत्र **11**

(आधुनिक काव्य **-**३ समकालीन हिंदी कविता **)**

- छात्र समकालीन हिंदी कविता की परिस्थिति ,समकालीन प्रवित्तियों आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- छात्र समकालीन कवियों में राजेश जोशी की की इत्यादि, संयुक्त परिवार तथा मंगलेश डबराल की रोटी और कविता जैसी काव्य कृतियाँ का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- छात्र अरुण कमल की शायर की कब्र, हार की जीत, चंद्रकांत देवताले की पुनर्जन्म ,मां जब खाना पकाती है, लीलाधर जगूड़ी की सरल नदी, भाषा मे लोग और ऋतु राज की मरूँगा नही, जब हम नही रहेंगे, तथा अशोक वाजपेयी की अमरूद की तरह पृथ्बी, चींटी प्रेम के लिए जगह जैसी प्रसिद्ध समकालीन कविताओं का अध्ययन कर सकेंगे।

एम. ए हिंदी **,**नवम सत्र**,** प्रश्नपत्र **12**

(हिंदी कथा साहित्य **1-** हिंदी कहानी **)**

- छात्र हिंदी कहानी की परिभाषा, अर्थ स्वरूप आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- छात्र हिंदी कहानी के उद्भव व विकास प्रक्रिया से अवगत हो सकेंगे।
- छात्र हिंदी के प्रमुख कहानीकार प्रेमचंद की ईदगाह कहानी , जैनेन्द्र की अपना अपना भाग्य ,निर्मल वर्मा की परिंदे , भीष्म साहनी की चीफ की दावत, कमलेश्वर की राजा निर्वानसिया, ओमप्रकाश वाल्मीकि की घुसपैठिए, प्रसाद की आकाशदीप जैसी चर्चित कहानी का अध्ययन व ज्ञानार्जन कर सकेंगे

एम. ए. हिंदी **,**दशम सत्र प्रश्नपत्र**-13**

(हिंदी कथा साहित्य**-2** हिंदी उपन्यास**)**

- विद्यार्थी कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद के जीवन संघर्षों को उनकी औपन्यासिक कृतियों के अध्ययन से जान पाएंगे
    - छात्र प्रेमचंद के अंतिम उपन्यास गोदान में चित्रित ग्रमीण जीवन की त्रासदी और कृषक जीवन के ऋण की समस्या का अध्यय न कर सकेंगे।
- छात्र गोदान उपन्यास के माध्यम से तत्कालीन भारतीय ग्रामीण समाज की सामाजिक ,राजनीतिक, एवम आर्थिक परिस्थितियों से परिचित हो सकेंगे।
- छात्र भारत पाकिस्तान के विभाजन पर आधारितऔर भीष्म साहनी द्वारा रचित उपन्यास तमस का अध्ययन कर सकेंगे।
- विद्यार्थी तमस उपन्यास में निहित साम्प्रदायिक तनाव और उससे उपजने वाले विद्रोह और बटवारें की राजनीति का ज्ञानार्जन कर सकेंगे।

एम. ए. हिंदी**,** दशम सत्र **,**प्रश्नपत्र **14 (** हिंदी निबंध **)**

- विद्यार्थी हिंदी निबंधों के उद्भव व विकास , अर्थ परिभाषा एवं स्वरूप आदि से अवगत हो सकेंगे ।
- विद्यार्थी अध्यापक पूर्ण सिंह के निबंध मजदूरी और प्रेम का अध्ययन कर सकेंगे
- विद्यार्थी शुक्ल जी चर्चित निबंध कविता क्या है , गुलाब राय के फिर निराशा क्यों, हरिशंकर परसाई के व्यंग्य परक निबंध सदाचार की ताबीज , हजारी प्रसाद द्विवेदी जी के ललित निबंध नाखून क्यों बढ़ते हैं , आदि का ज्ञानार्जन कर सकेंगे।

एम. ए. हिंदी**,** दशम सत्र **,**प्रश्नपत्र **15** विकल्प **01**

(रचनाकार का विशेष अध्ययन **)**

- इस प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम में छात्र भक्तिकालीन कवियों से लेकर समकालीन कवियों की रचना धर्मिता से अवगत हो सकेंगे।
- विद्यार्थी भक्तिकालीन कवि कबीर,जायसी, सुरदास, तुलसी दास जैसे भक्त एवम दार्शनिक कवियों में से किसी एक कि रचना प्रक्रिया , दर्शन , साहित्य सिद्धान्त आदि का अध्ययन कर सकेंगे।

- विद्यार्थी छायावादी कवियों जिसमे प्रसाद, निराला पंत ,महादेवी वर्मा तथा प्रेमचंद ,दिनकर ,नागर्जुन ,अज्ञेय, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी में से किसी एक रचनाकार का विशेष अध्ययन कर सकेंगे।

एम. ए. हिंदी, दशम सत्र प्रश्नपत्र,**15** विकल्प**-2 (** स्त्री विमर्श**)**

- छात्र इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत विद्यार्थी स्त्री विमर्श का अर्थ परिभाषा, और स्वरूपादि का अध्ययन कर सकेंगे।
- छात्र हिंदी की प्रमुख स्त्री विमर्श कार यथा - मीरा, महादेवी वर्मा, कृष्णा सोबती, मन्नू भंडारी, उषा प्रियंवदा, मैत्रयी पुष्पा, नासिरा शर्मा, प्रभा खेतान ,मृदला गर्ग, अनामिका कात्यायनी आदि के स्त्री लेखन ,स्त्री मुक्ति के स्वर आदि का ज्ञानार्जन उक्त सभी स्त्री रचनाकारों की रचनाओं का अध्ययन कर सकेंगे।
- छात्र स्त्री मुक्ति से जुड़े सवालों को जान पाएंगे
- विद्यार्थी नारी शोषण के विविध आयामों से परिचित हो सकेंगे ।

एम. ए. हिंदी, दशम सत्र ,प्रश्नपत्र**16**

(विकल्प **01 -** रचना विशेष का अध्ययन **)**

- इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी किसी एक रचनाकार की कृति विशेष का अध्ययन करेंगे ।

विद्यार्थी हरिऔध द्वारा रचित प्रिय प्रवास, मैथिलीशरण गुप्त के साकेत, प्रसाद की कामायनी, धर्मवीर भारती के अन्धायुग ,यशपाल के उपन्यास झूठा सच, रमेश चंद्र शाह के विनायक , रामबृक्ष बेनीपुरी की माटी की मूरतें, बच्चन की क्या भूलू क्या याद करूँ आदि कृतियों में से किसी एक कृति का सांगोपांग अध्य्यन कर सकेंगे ।

- छात्र कृति विशेष के अध्ययन से रचनाकार की विचारधारा और रचना प्रक्रिया तथा रचना में निहित संदेश और उद्देश्य आदि से भी परिचित हो सकेंगे।

एम. ए. हिंदी , दशम सत्र, प्रश्न पत्र **16**

(विकल्प **2-** प्रवासी साहित्य **)**

- विद्यार्थी इस वैकल्पिक प्रश्नपत्र में प्रवासी साहित्य की अवधारणा एवम स्वरूपादि का अधययन कर पाएंगे ।
- विद्यार्थी प्रवासी कथाकार लेखक तजेन्द शर्मा कृत मलबे की मालकिन ,सुदर्शन प्रियदर्शिनी कृत -अखबारवाला , आदि का अध्ययन कर सकेंगे ।
- विद्यार्थी सुषम बेदी के उपन्यास हवन तथा कवियों में पुष्पित अवस्थी की लेगसी, ताबूत ,मां, बसुधा , स्त्री ,ग्रब्यार्ड आदि का सम्यक अध्य्यन कर सकेंगे ।

शोध परियोजना दशम सत्र

- विद्यार्थी शोध की अवधरणा ,आवश्यकता तथा शोध का सामाजिक मूल्य आदि के विषय मे ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।
- विद्यार्थी शोध प्रकिया ,शोध के विविध चरण आदि का भी ज्ञानार्जन कर सकेंगे।